रूसी परी कथा

राजकुमारी मरिया मोरेवना

चित्र: जी. गोरोडनिचेवा

हिंदी: अरविन्द गुप्ता

एक समय किसी एक ज़ारडोम में एक ज़ार का बेटा, त्सारेविच इवान और उसकी तीन बहनें रहती थीं. पहली बहन का नाम त्सरेवना मरिया था, दूसरी का नाम त्सरेवना ओल्गा, और तीसरी का नाम त्सरेवना अन्ना था.

जब माता और पिता मृत्यु शय्या पर थे तब उन्होंने अपने पुत्र से कहा:

“अपनी बहनों को अधिक समय तक बिन ब्याहा मत रखना, बल्कि जो उन्हें लुभाने के लिए सबसे पहले आए, उसी से उनका विवाह कर देना.”

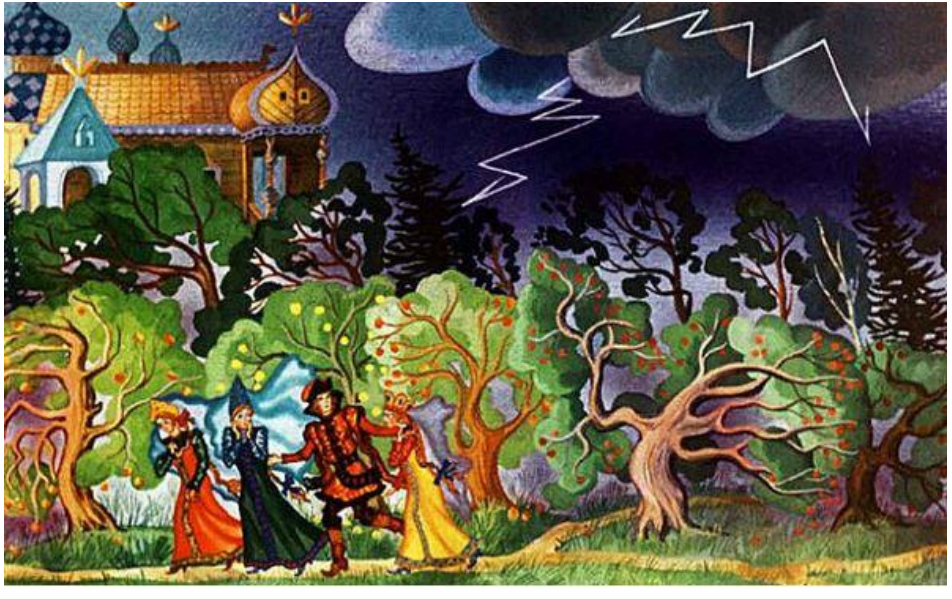

त्सारेविच इवान ने अपने माता-पिता को दफनाया और, अपने दुःख को दूर करने के लिए, वह अपनी बहनों के साथ उनके हरे बगीचे में टहलने गया.

अचानक आसमान पर काले बादल छा गए. एक भयानक तूफ़ान आने वाला था.

"चलो, बहनों, हम घर में चलें," त्सारेविच इवान ने कहा.

जैसे ही वे महल में पहुँचे, तभी गड़गड़ाहट हुई, छत दो टुकड़ों में टूट गई और एक बाज़ उड़कर कमरे में आया. वह फर्श से टकराया, एक लंबे और सुंदर युवा में बदल गया, और उसने कहा:

“आपके लिए शुभ दिन, त्सारेविच इवान. कई बार मैं आपके घर अतिथि के रूप में आया, लेकिन अब मैं एक लुभाने वाले के रूप में यहां आया हूं. क्योंकि मैं विवाह के लिए आपकी बहन त्सरेवना मरिया का हाथ माँगना चाहता हूँ.

“अगर मेरी बहन तुम्हें पसंद करती है, तो ठीक है और अच्छा है, क्योंकि मैं उसकी इच्छा के खिलाफ नहीं जाऊँगा. अगर बहन चाहे तो वह आपसे शादी कर सकती है.''

और क्योंकि राजकुमारी मरिया राज़ी हो गयी इसलिए बाज़ ने उससे शादी की और फिर वो उसे अपने राज्य में ले गया.

दिन के बाद दिन बीते, और घंटे के बाद घंटे बीते, और इससे पहले कि उन्हें पता चलता पूरा एक साल बीत गया. एक दिन त्सारेविच इवान और उसकी दो बहनें हरे बगीचे में टहलने गए, और तभी आकाश में काले बादल छा गए, बिजली चमकी और भयंकर हवा चलने लगी.

“चलो, बहनों, अब हम घर में चलें," त्सारेविच इवान ने कहा.

जैसे ही वे महल में पहुंचे तभी अचानक गड़गड़ाहट के साथ छत ढह गई, और दो टुकड़ों में टूट गई. तभी एक चील उड़ते हुए अंदर आई. चील फर्श से टकराई और एक लंबे और सुंदर युवा में बदल गई.

"शुभ दिन, त्सारेविच इवान," चील ने कहा. "कई बार मैं यहां अतिथि के रूप में आया हूँ, लेकिन अब मैं एक लुभाने वाले के रूप में आया हूं." फिर चील ने शादी के लिए त्सरेवना ओल्गा का हाथ मांगा.

त्सारेविच इवान ने कहा:

“अगर त्सरेवना ओल्गा तुम्हें पसंद करती है, तो तुम उससे शादी सकते हो. क्योंकि मैं उसकी इच्छा के विरुद्ध कुछ नहीं करूंगा.”

त्सरेवना ओल्गा ने अपनी सहमति दे दी और चील से शादी कर ली. और फिर चील ने उसे अपने राज्य में ले गया.

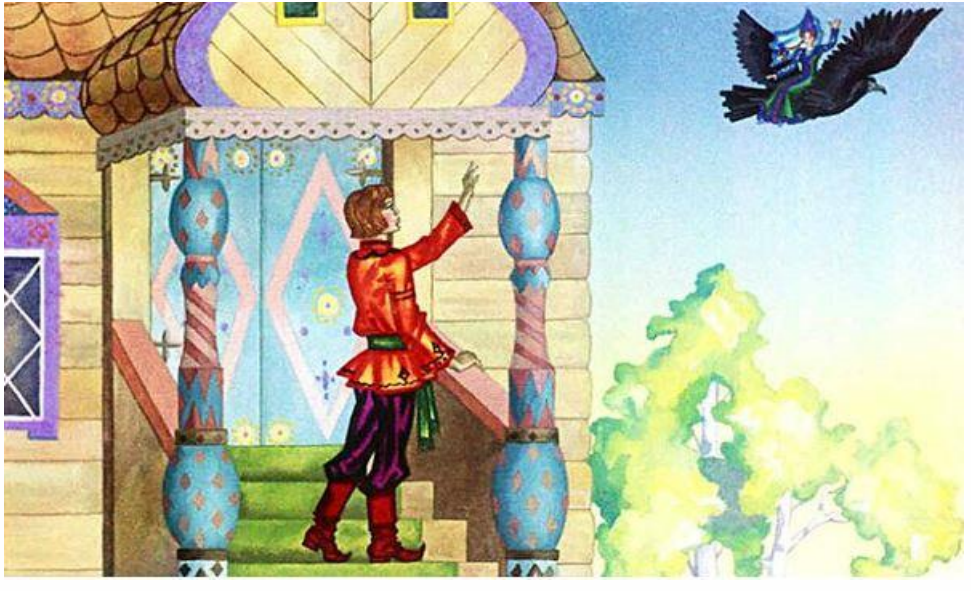

एक और साल बीत गया और त्सारेविच इवान ने अपनी सबसे छोटी बहन से कहा: “आओ बहन, हरे-भरे बगीचे में सैर करने चलें.”

वे थोड़ी देर चले, और फिर आकाश में काली घटा छा गई, बिजली चमकने लगी, और प्रचण्ड आँधी चलने लगी.

“चलो घर चलें, बहन!” त्सारेविच इवान ने कहा.

वे घर में आए, और इससे पहले कि उन्हें बैठने का समय मिलता, गड़गड़ाहट हुई, छत दो टुकड़ों में टूट गई, और एक कौवा उड़कर अंदर आया. वह फर्श से टकराया और एक लंबे और सुंदर युवा में बदल गया.

अन्य दो युवा सुंदर पुरुष थे, लेकिन यह तो उनसे भी अधिक सुन्दर था.

कौवे ने कहा, "कई बार मैं यहां अतिथि के रूप में आया हूँ, लेकिन अब मैं एक लुभाने वाले के रूप में आया हूं. मुझे त्सरेवना अन्ना से विवाह करने दीजिए."

“मेरी बहन जो चाहे वो करने के लिए स्वतंत्र है. अगर वह तुम्हें पसंद करे तो वह तुमसे शादी कर सकती है.”

अत: त्सरेवना अन्ना ने कौवे से विवाह कर लिया, और फिर कौवा उसे अपने राज्य में ले गया. उसके बाद त्सारेविच इवान बिल्कुल अकेला रह गया.

वह पूरे एक साल तक अकेला रहा लेकिन उसे अपनी बहनों की बहुत याद आती थी.

एक दिन उसने कहा, "लगता है कि मुझे जाकर अपनी बहनों से मिलना चाहिए."

वह तैयार हुआ और अपनी यात्रा पर निकल पड़ा. वह घोड़े पर सवार हुआ और बहुत दूर गया. धीरे-धीरे वह एक ऐसे मैदान में पहुंचा जहाँ योद्धाओं की एक पूरी टोली पराजित और मृत पड़ी थी.

“यदि तुम्हारे बीच कोई जीवित बचा हो, तो वह मुझे उत्तर दे!” त्सारेविच इवान ने पुकारा. "क्योंकि मैं जानना चाहता हूं कि वह कौन था जिसने इस शक्तिशाली सेना को परास्त किया."

और फिर वहाँ पर एकमात्र जीवित व्यक्ति ने उत्तर दिया:

"इस पूरी शक्तिशाली सेना को राजकुमारी त्सरेवना मरिया मोरेवना ने परास्त किया है."

त्सारेविच इवान आगे बढ़ा. कुछ थोड़ी देर बाद वह एक मैदान में पहुंचा जहाँ कई सफेद तंबू लगे थे, और वहाँ, राजकुमारी त्सरेवना मरिया मोरेवना, उससे मिलने के लिए बाहर आई.

"शुभ दिन, त्सारेविच," उसने कहा. “तुम कहाँ जा रहे हो? क्या तुम बिना किसी मकसद के आये हो या फिर किसी काम से आये हो?”

त्सारेविच इवान ने उत्तर में कहा:

"मेरे जैसा स्वस्थ और हृष्ट-पुष्ट युवा अपनी मर्जी के अलावा कहीं नहीं जाता है."

"ठीक है, अगर तुम्हें कोई जल्दी नहीं है, तो मेरे मेहमान बनो और कुछ देर मेरे तंबू में रुको."

त्सारेविच इवान ऐसा करके प्रसन्न था. दो दिन और दो रातों के लिए वह मरिया मोरेवना का मेहमान था, और फिर वे एक-दूसरे को इतना पसंद करने लगे कि उन्होंने उसी समय शादी करने का फैसला कर लिया. इस प्रकार त्सारेविच इवान और राजकुमारी त्सरेवना मरिया मोरेवना पति-पत्नी बन गए. उसके बाद त्सारेविच इवान अपनी पत्नी के दूर स्थित राजघराने में चला गया.

वे कुछ समय तक साथ-साथ रहे. फिर एक दिन मरिया मोरेवना ने फिर से युद्ध के लिए निकलने के बारे में सोचा. उसने अपना महल और उसमें मौजूद सभी चीजें त्सारेविच इवान की देखभाल में छोड़ दीं. फिर उसने एक कमरे की ओर इशारा करते हुए कहा, जिसका दरवाजा कसकर बंद था:

"तुम जहां मर्जी चाहे जाओ और हर चीज का आनंद लो, लेकिन ध्यान रखना और तुम कभी भी इस कमरे में मत घुसना."

लेकिन त्सारेविच इवान की जिज्ञासा उस पर हावी हो गई और, जैसे ही मरिया मोरेवना चली गई, उसने तेजी से उस कमरे का दरवाजा खोला और उसमें गया. उसने अंदर क्या देखा? वहां पर मृत्यु-हीन कोशी नामक अमर व्यक्ति बारह जंजीरों से दीवार से बंधा हुआ लटका था.

मृत्यु-हीन कोशी ने विनती भरे स्वर में कहा:

“मुझ पर दया करो, त्सारेविच इवान, और मुझे पीने के लिए थोड़ा पानी दो. दस वर्षों से मुझे यहाँ रखा गया है और मुझे ऐसी यातनाएँ दी गई हैं जिनका वर्णन करना मुश्किल है. मैंने न तो कुछ खाया है और न ही कुछ पिया है और मेरा गला पूरी तरह सूख गया है.”

त्सारेविच इवान ने उसे पीने के लिए एक पूरी बाल्टी पानी दी. उसने उसे पी लिया और और वो अधिक के लिए विनती करने लगा.

"एक बाल्टी पर्याप्त नहीं है, मैं अभी भी प्यासा हूं, इसलिए मुझे एक और बाल्टी पानी और दो," उसने विनती की.

त्सारेविच इवान ने उसे पानी की दूसरी बाल्टी दी, और कोशी उसे भी गटक गया और फिर उसने तीसरी बाल्टी माँगी. परन्तु जब उसने तीसरी बाल्टी खत्म की, तो उसकी सारी शक्ति वापस आ गई, और उसने अपनी जंजीरों को हिलाया और उन सभी बारह जंजीरों को तोड़ डाला.

"धन्यवाद, त्सारेविच इवान," मृत्यु-हीन कोशी ने कहा. "अब तुम मरिया मोरेवना को कभी नहीं देख पाओगे, जिस प्रकार तुम अपने कानों को नहीं देख सकते हो."

और फिर मृत्यु-हीन कोशी एक बवंडर की तरह तेजी से खिड़की से बाहर उड़ गया. उसने प्यारी राजकुमारी मरिया मोरेवना को पकड़ लिया और उसे भी अपने साथ ले गया.

त्सारेविच इवान बहुत देर तक और फूट-फूट कर रोया. लेकिन अंत में वह तैयार होकर मरिया मोरेवना की तलाश में निकल पड़ा.

“चाहे कुछ भी हो, मैं उसे ढूंढ लूँगा!” उसने कहा.

एक दिन बीत गया, और दूसरा. फिर तीसरे दिन भोर के समय त्सारेविच इवान ने अपने सामने एक सुंदर महल देखा.

महल के पास एक बांझ का पेड़ था और उसकी डाल पर एक बाज़ बैठा था. बाज़ ,बांझ के पेड़ से उड़ा, ज़मीन से टकराया और एक सुंदर युवा में बदल गया.

"आह, मेरे अपने प्यारे जीजाजी, मैं आपको देखकर सचमुच बहुत खुश हूँ!" वह चिल्लाया.

उसकी बात सुनकर राजकुमारी मरिया अपने भाई से मिलने के लिए दौड़ी. उसने ख़ुशी से भाई स्वागत किया, उसके स्वास्थ्य के बारे में पूछा और उसे बताना शुरू किया कि वह कैसे रहती थी और क्या करती थी. त्सारेविच इवान ने उनके साथ तीन दिन बिताए और फिर उसने कहा:

“मैं तुम्हारे साथ अधिक समय तक नहीं रह सकता क्योंकि मैं अपनी प्यारी पत्नी मरिया मोरेवना की तलाश कर रहा हूं.''

"उसे ढूंढना आसान नहीं होगा," बाज़ ने उससे कहा, “किसी भी हालत में आप अपना चाँदी का चम्मच यहीं छोड़ दें. हम उसे देखेंगे और उसे देखकर आपके बारे में सोचेंगे.”

त्सारेविच इवान ने अपना चांदी का चम्मच बाज़ के पास छोड़ दिया और फिर वो अपनी यात्रा पर निकल पड़ा.

फिर उसने एक दिन सवारी की, उसने दूसरे दिन भी सवारी की, और तीसरे दिन भोर में उसने एक महल देखा जो बाज़ के महल से भी अधिक सुंदर था. महल के पास एक बांझ का वृक्ष उगा था और उसकी डाल पर एक चील बैठी थी.

चील पेड़ से उड़ी, जमीन पर गिरी और एक सुंदर युवा में बदल गई, और फिर वो चिल्लाई:

"आओ, राजकुमारी ओल्गा, उठो, क्योंकि तुम्हारा अपना प्रिय भाई यहाँ आया है!"

वो सुनकर राजकुमारी ओल्गा महल से बाहर दौड़ती हुई आई. उसने त्सारेविच इवान को चूमा और उसे गले लगाया, उसके स्वास्थ्य के बारे में पूछा और उसे बताया कि वह कैसे रहती थी और क्या करती थी. त्सारेविच इवान ने उनके साथ तीन दिन बिताए और फिर उसने कहा:

“मैं तुम्हारे साथ अधिक समय तक नहीं रह सकता. मुझे अपनी पत्नी मरिया मोरेवना की तलाश में जाना है."

चील ने कहा:

“उसे ढूंढना आसान नहीं होगा. अपना चाँदी का काँटा हमारे पास छोड़ दो. हम उस देखेंगे और फिर तुम्हारे बारे में सोचेंगे.”

अत: त्सारेविच इवान ने अपना चाँदी का काँटा उनके पास छोड़ दिया और अपने रास्ते चला गया.

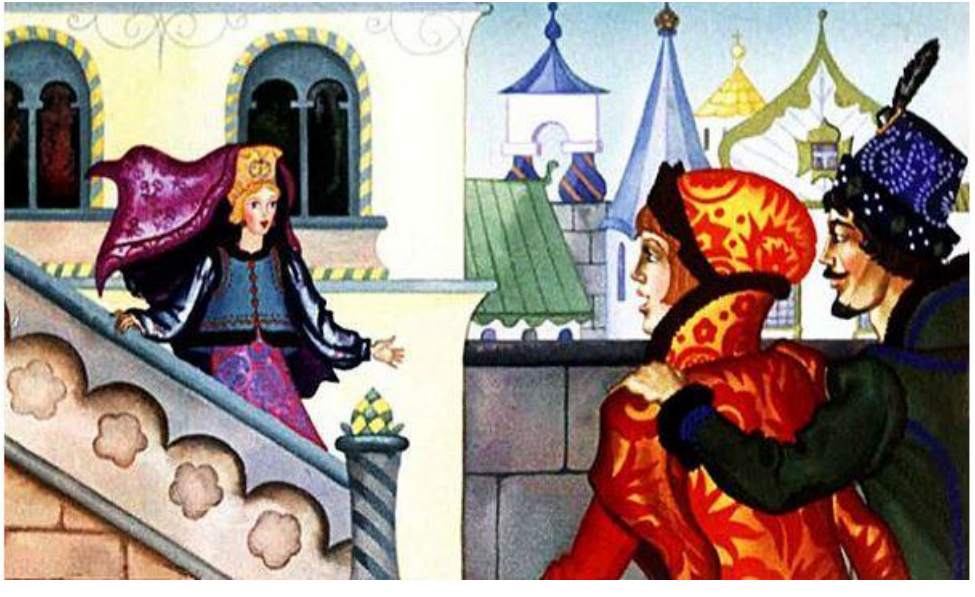

उसे एक दिन घोड़े पर सवारी की, उसने दूसरे दिन भी सवारी की. फिर तीसरे दिन भोर में उसने एक महल देखा जो सुंदरता और वैभव में पहले दो महलों से कहीं अधिक भव्य था. महल के बगल में बांझ का पेड़ था और उसकी डाल पर एक कौवा बैठा था.

कौवा, बांझ के पेड़ से उड़ा, जमीन पर गिरा और, एक सुंदर युवा में बदल गया. फिर वो चिल्लाया:

"त्सरेवना अन्ना, जल्दी करो और आओ, तुम्हारा अपना प्रिय भाई यहाँ आया है!"

यह सुनकर राजकुमारी अन्ना महल से बाहर दौड़ती हुई आई. उसने ख़ुशी से त्सरेविच इवान का स्वागत किया, उसे चूमा और गले लगाया, उसके स्वास्थ्य के बारे में पूछा और उसे बताना शुरू किया कि वह कैसे रहती थी और क्या करती थी.

त्सारेविच इवान ने उनके साथ तीन दिन बिताए, और फिर उसने कहा:

"अब मुझे तुमसे अलविदा कहनी चाहिए, क्योंकि मैं अपनी पत्नी मरिया मोरेवना की तलाश में हूं."

कौवे ने उत्तर में कहा:

“उसे ढूंढना आसान नहीं होगा. आप अपना चाँदी का नसवार बक्सा हमारे पास छोड़ दें. हम उसे देखेंगे और फिर आपके बारे में सोचेंगे.”

त्सारेविच इवान ने उसे अपना चाँदी का नसवार बक्सा छोड़ दिया और फिर उन दोनों से विदा लेकर अपने रास्ते चल दिया.

एक दिन बीत गया, और दूसरा, और फिर तीसरा दिन, अंततः त्सारेविच इवान को अपनी प्रियत्मा मिली.

जब उसने उसे देखा, मरिया मोरेवना ने त्सरेविच इवान के गले में अपनी बाहें डाल दीं, और वो फूट-फूट कर रोने लगी और बोली:

"आह, त्सारेविच इवान, तुमने मेरी बात क्यों नहीं सुनी, तुमने वह कमरा क्यों खोला जहाँ मृत्यु-हीन कोशी को रखा गया था और तुमने उसे क्यों बाहर निकलने दिया?"

“मुझे माफ कर दो, मरिया मोरेवना, और जो बीत गया अब उसे भूल जाओ. अब मेरे साथ चले आओ जबकि मृत्यु-हीन कोशी कहीं दिखाई नहीं दे रहा है और शायद वह हमसे आगे नहीं निकल पाएगा.

फिर वे तैयार होकर एक साथ चल दिये.

उस समय मृत्यु-हीन कोशी शिकार पर गया हुआ था. जब वह घर की ओर मुड़ा तब तक शाम हो चुकी थी और उसका अच्छा घोड़ा ठोकर खाकर नीचे गिर गया.

"तुम क्यों लड़खड़ा रहे हो, हड्डियों से भरे बूढ़े थैले?" मृत्यु-हीन कोशी ने पूछा. “क्या तुम्हें किसी दुर्भाग्य का आभास हो रहा है?”

घोड़े ने उत्तर में कहा:

"त्सरेविच इवान आया था, और वह मरिया मोरेवना को ले गया है."

"क्या हम उन्हें पकड़ सकते हैं?"

“पहले हमें कुछ गेहूं बोना होगा, उसके पकने तक इंतजार करना होगा, उसे काटकर, पीसकर आटा बनाना होगा, पांच ओवन भर डबल रोटी बनानी होंगी, और उन्हें पूरा खाने के बाद जब हम उनके पीछे जायेंगे, तभी हम उन्हें पकड़ पाएंगे.”

फिर मृत्यु-हीन कोशी ने अपने घोड़े को सरपट दौड़ाया, और उसने त्सारेविच इवान को पकड़ लिया.

"मैं तुम्हें पहली बार माफ कर दूंगा," उसने कहा, "क्योंकि तुम मेरे प्रति दयालु थे, तुमने मुझे पीने के लिए पानी दिया था, और मैं तुम्हें दूसरी बार भी माफ कर दूंगा, लेकिन अगर तुमने तीसरी बार मेरे खिलाफ जाने की हिम्मत की, तो मैं तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर दूँगा."

और फिर मृत्यु-हीन कोशी, मरिया मोरेवना को अपने साथ लेकर चला गया, और त्सारेविच इवान सड़क के किनारे एक पत्थर पर बैठ गया और रोने लगा.

वह रोया और सिसकने लगा, और फिर से वह मरिया मोरेवना को वापस लाने के लिए चला. और मृत्यु-हीन कोशी पहले की तरह घर से दूर गया था.

"मेरे साथ आओ, मरिया मोरेवना," त्सारेविच इवान ने कहा.

"आह, त्सारेविच इवान, मृत्यु-हीन कोशी फिर से हमसे आगे निकल जाएगा!"

"उसे आने दो. हम कम-से-कम एक-दो घंटे तो एक-साथ बिता सकेंगे!"

इसलिये वे तैयार होकर चले गये.

धीरे-धीरे मृत्यु-हीन कोशी ने घर की ओर रुख किया, और तभी उसका अच्छा घोड़ा लड़खड़ाने लगा.

“सुनो, हड्डियों का थैले, तुम क्यों लड़खड़ा रहे हो? क्या तुम्हें किसी दुर्भाग्य का आभास हो रहा है?” मृत्यु-हीन कोशी ने पूछा.

"त्सरेविच इवान आया था, और वह मरिया मोरेवना को अपने साथ ले गया है."

"क्या हम उन्हें पकड़ सकते हैं?"

"हमें कुछ जौ बोना होगा, उसके पकने तक इंतजार करना होगा, उसे काटना और पीसना होगा, उसमें से बियर बनानी होगी, जब तक हम नशे में धुत होकर सो नहीं जाते हैं तब तक हमें बियर पीनी होगी. उसके बाद हम उनके पीछे जायेंगे और तब हम उन्हें पकड़ पाएंगे."

फिर मृत्यु-हीन कोशी ने अपने घोड़े को सरपट दौड़ाया, और उसने त्सारेविच इवान को पकड़ लिया.

"मैंने तुमसे कहा था कि तुम मरिया मोरेवना को अपने कानों जैसे दुबारा कभी नहीं देखोगे," मृत्यु-हीन कोशी ने कहा.

और फिर वह मरिया मोरेवना को त्सरेविच इवान से छीनकर अपने साथ ले गया.

त्सारेविच इवान अकेला रह गया था, वह रोया और रोया, और वह फिर मरिया मोरेवना को वापस लाने चला. उस समय मृत्यु-हीन कोशी पहले की तरह कहीं दूर था.

"मेरे साथ आओ, मरिया मोरेवना," त्सारेविच इवान ने कहा.

"आह, त्सारेविच इवान, मृत्यु-हीन कोशी हमसे आगे निकल जाएगा और वह तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर देगा!"

"उसे आने दो! मैं अब तुम्हारे बिना नहीं रह सकता."

इसलिये वे तैयार होकर चले. कुछ समय बाद मृत्यु-हीन कोशी ने घर की ओर रुख किया, और उसका अच्छा घोड़ा फिर से लड़खड़ाने लगा.

“तुम लड़खड़ाते क्यों हो? क्या तुम्हें किसी दुर्भाग्य का आभास हो रहा है?” उसने पूछा.

"त्सरेविच इवान आया था, और वह मरिया मोरेवना को ले गया है."

फिर मृत्यु-हीन कोशी, त्सारेविच इवान के पीछे सरपट दौड़ा और, जब उसने उसे पकड़ लिया, तो उसने उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए. उसने टुकड़ों को तारकोल वाले बैरल में रखा, बैरल को लोहे के तार से बांधा और उसे नीले समुद्र में फेंक दिया. और फिर मृत्यु-हीन कोशी, मरिया मोरेवना को दुबारा अपने साथ ले गया.

उसी समय त्सरेविच इवान ने जो चाँदी की चीज़ें अपने बहनोई के पास छोड़ दी थीं, वे काली और धूमिल हो गईं.

"ओह," बहनोई ने कहा, "त्सरेविच इवान को जरूर किसी दुर्भाग्य का सामना करना पड़ा है."

फिर चील ने नीले समुद्र पर झपट्टा मारा, बैरल को पकड़ लिया और उसे किनारे पर ले गया.

बाज़ जीवित पानी को लाने उड़ा, और कौवा मृत पानी को लाने उड़ा, और वे दोनों उड़ते हुए वापस वहां आए जहाँ चील उनका इंतजार कर रही थी. उन्होंने बैरल को तोड़ दिया, अंदर से त्सारेविच इवान के शरीर के टुकड़ों को बाहर निकाला, उन्हें धोया और उन सभी को ठीक से एक साथ रखा.

कौवे ने टुकड़ों पर मृत पानी छिड़का, और वे तेजी से एक दूसरे से मिल गए, और फिर बाज़ ने उन पर जीवित पानी छिड़का, और त्सारेविच इवान चौंककर ज़िंदा हो गया और उसने कहा:

"आह, मुझे कितनी लंबी नींद आई!"

"अगर हम न होते तो तुम और देर तक सोते रहते," उसके साले ने जवाब दिया. “और अब आओ और हमारे मेहमान बनो.”

"नहीं, मेरे भाइयों, मुझे मरिया मोरेवना की तलाश में जाना होगा."

त्सारेविच इवान चला गया, उसने मरिया मोरेवना को खोजा और उससे कहा:

"तुम मृत्यु-हीन कोशी से पूछना कि उसे इतना अच्छा घोड़ा कहां से मिला."

और मरिया मोरेवना ने मौका देखा और फिर उसने मृत्यु-हीन कोशी से उसके घोड़े के बारे में पूछा.

मृत्यु-हीन कोशी ने कहा:

“थ्रिस-नाइन लैंड्स से परे, थ्रिस-टेन ज़ारडोम में बाबा-यागा चुडैल रहती है. वह ज्वलंत नदी के पार जंगल में रहती है, और उसके पास एक घोड़ी है जिस पर बैठकर वह हर दिन दुनिया भर में उड़ान भरती है. उसके पास अन्य बढ़िया घोड़ियाँ भी हैं. मैंने तीन दिनों तक उनकी देखभाल की, और मैंने एक भी घोड़ी को भागने नहीं दिया, इसलिए बाबा-यागा ने मुझे मेरी सेवाओं के लिए इनाम में एक घोड़ा दिया.

"आपने ज्वलंत नदी को पार कैसे किया?"

“अपने जादुई रूमाल की मदद से. मुझे उसे अपने दाहिनी ओर केवल तीन बार हिलाना पड़ा, और फिर एक बहुत ऊँचा पुल ऊपर बन गया जिस तक आग की लपटें नहीं पहुँच सकती थीं.

मरिया मोरेवना ने उसकी बात सुनी और उसका
प्रत्येक शब्द त्सारेविच इवान को बताया. और उसने कोशी
का जादुई रुमाल भी त्सारेविच इवान को दे दिया.

त्सारेविच इवान ने ज्वलंत नदी को पार किया और बाबा-यागा के घर के लिए रवाना हुआ. वह बहुत देर तक बिना कुछ खाए या पिए चलता रहा, और फिर उसकी नज़र एक अजीब पक्षी और उसके बच्चे पर पड़ी.

त्सारेविच इवान ने कहा:

"मुझे लगता है कि मैं उनमें से एक चूज़े को खा लूँगा."

"मेरे बच्चों को मत छुओ, त्सारेविच इवान," पक्षी ने विनती भरे स्वर में कहा. “कौन जानता है, हो सकता है किसी दिन तुम्हें मेरी ज़रूरत पड़े!”

त्सारेविच इवान आगे बढ़ता गया और धीरे-धीरे, वह जंगल में एक मधुमक्खी के छत्ते पर पहुंचा.

"मुझे लगता है कि मुझे थोड़ा शहद लेना चाहिए," उसने कहा.

लेकिन मधुमक्खी रानी उससे विनती करने लगी और बोली:

“मेरे प्रिय त्सारेविच इवान छत्ते को मत छुओ. किसे पता किसी दिन तुम्हें मेरी ज़रूरत पड़े!”

त्सारेविच इवान ने शहद को नहीं छुआ, फिर आगे बढ़ गया.

धीरे-धीरे उसकी नज़र एक शेरनी और उसके बच्चे पर पड़ी.

त्सारेविच इवान ने कहा:

“मुझे लगता है मैं कम से कम उस शेर के बच्चे को तो खा ही लूँगा. मैं इतना भूखा हूं कि मैं मुश्किल से ही अपने पैरों पर खड़ा हो पा रहा हूं.”

"मेरे बच्चे को मत छुओ," शेरनी ने विनती करते हुए कहा, “कौन जानता है, किसी दिन तुम्हें मेरी ज़रूरत पड़े!”

“बहुत अच्छा, जैसा तुम कहोगी मैं वैसा ही करूंगा.”

और फिर वो भूखा ही चलता रहा. वह बाबा-
यागा के घर पहुंचा. घर के चारों ओर बारह खंभे थे,
और उनमें से ग्यारह पर मानव सिर चिपके हुए थे.

"शुभ दिन, दादी!" त्सारेविच इवान ने बाबा-यागा से कहा.

“तुम्हारे लिए भी शुभ दिन, त्सारेविच इवान. तुम यहाँ क्यों आये हो? क्या तुम इसलिये आए हो कि यह तुम्हें यहाँ अच्छा लगता है या इसलिये कि तुम्हें मेरी आवश्यकता है?”

"मैं आपको अपनी सेवाएँ देने आया हूँ और पुरस्कार में आपका एक बेहतरीन घोड़ा लेने आया हूँ."

“बहुत अच्छा, त्सारेविच इवान. तुम्हें एक वर्ष के लिये नहीं, केवल तीन दिनों के लिये मेरी सेवा करनी होगी. यदि तुम मेरी घोड़ियों की रक्षा करोगे, तो मेरी एक उत्तम घोड़ी तुम्हारे पास होगी. यदि तुम ऐसा नहीं करते हैं, तो बारह में से अंतिम खम्बे पर तुम्हारे सिर का ताज होगा, और उसके लिए सिर्फ तुम खुद जिम्मेदार होगे.''

फिर उन्होंने वो सौदा किया, और बाबा-यागा ने त्सारेविच इवान को भोजन और पेय दिया और उसे काम पर जाने को कहा. जैसे ही त्सारेविच इवान ने घोड़ियों को चरागाह की ओर हांका, वे अपनी पूँछ उठाकर घास के मैदानों के पार भाग गईं, और इससे पहले कि वह अपनी आँखें उठाकर देखता कि वे कहाँ गईं, वे दृष्टि से ओझल हो गईं. त्सारेविच इवान दुखी हुआ और रोया, और फिर वह एक पत्थर पर बैठ गया और वहीं सो गया.

सूरज डूब रहा था जब अजीब पक्षी उड़ता हुआ आया.

"उठो, त्सारेविच इवान," उसने कहा. "सभी घोड़ियाँ अपने स्टालों में वापस चली गई हैं."

त्सारेविच इवान उठकर घर चला गया, और बाबा-यागा ने एक महान कार्य किया और वह अपनी घोड़ियों पर चिल्लाई और उन्हें डांटा.

"तुम घर वापस क्यों आईं?" उसने घोड़ियों से मांग की.

"इसके सिवा हम और क्या कर सकते थे? पक्षी सारी पृथ्वी पर से उड़कर आये और उन्होंने लगभग हमारी आँखें ही नोच डालीं."

"ठीक है, कल घास के मैदानों में मत भागना, बल्कि घने जंगलों में बिखर जाना."

त्सारेविच इवान पूरी रात सोया और सुबह बाबा यागा ने उससे कहा:

“ध्यान रखो, त्सारेविच इवान. यदि तुम मेरी घोड़ियों को सुरक्षित नहीं रखोगे और उनमें से एक भी खो दोगे, तो खम्भे पर तुम्हारे सिर का ताज बंधेगा.”

त्सारेविच इवान ने घोड़ियों को चरागाह की ओर खदेड़ दिया, और वे तुरंत अपनी पूंछ उठाकर घने जंगलों में भाग गईं. और त्सारेविच इवान एक पत्थर पर बैठ गया, वह रोया और रोया, और वहीं सो गया.

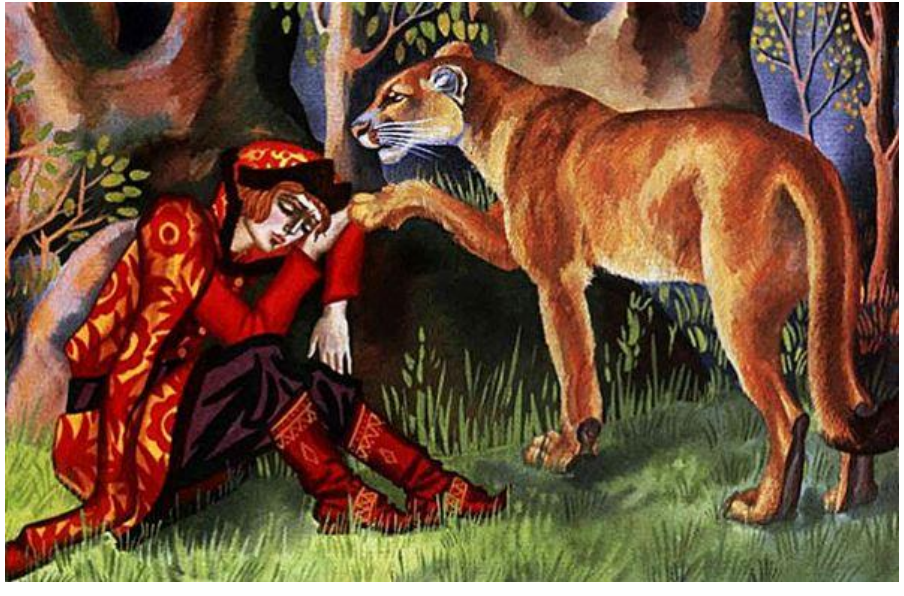

जब शेरनी दौड़ती हुई आई तो सूरज जंगल से बाहर निकल चुका था.

"उठो, त्सारेविच इवान," उसने कहा. "सभी घोड़ियाँ अपने स्टालों में वापस आ गई हैं."

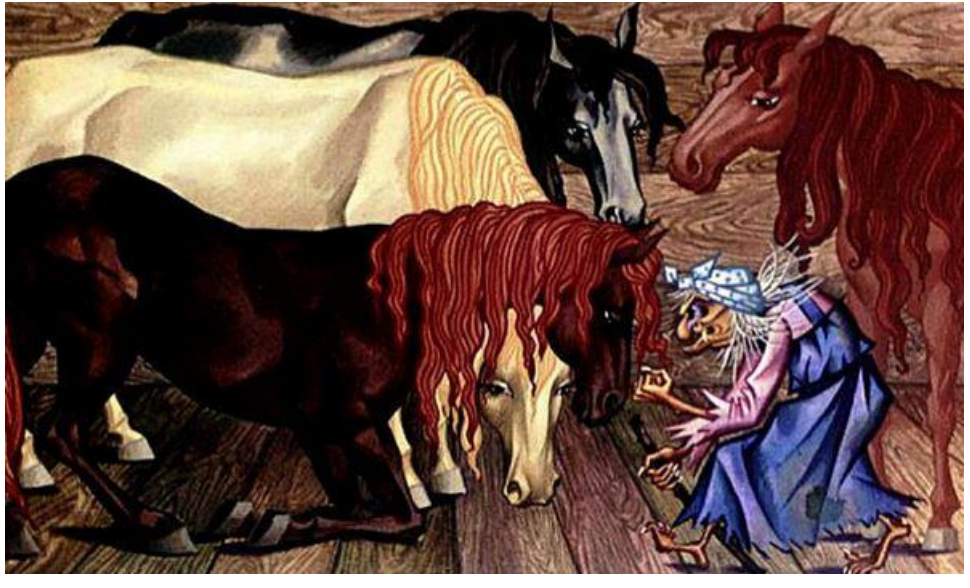

त्सारेविच इवान उठकर घर चला गया. और बाबा-यागा अपनी घोड़ियों पर चिल्लाई और उन्हें पहले से कहीं अधिक ज़ोर से डाँटा.

"तुम घर वापस क्यों आईं?" उसने घोड़ियों से मांग की.

"इसके सिवा और हम क्या कर सकते थे? पृथ्वी भर से भयंकर जानवर दौड़ते हुए आये, और उन्होंने हमारे लगभग टुकड़े-टुकड़े कर डाले!"

"ठीक है, कल भाग जाना और नीले समुद्र में छिप जाना."

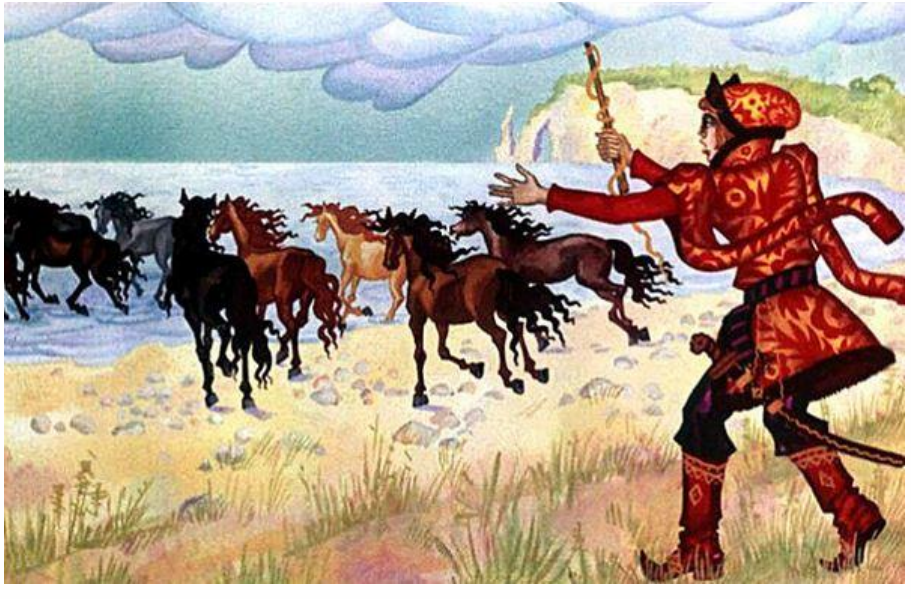

त्सारेविच इवान पूरी रात सोता रहा और सुबह बाबा-यागा ने उसे फिर से अपनी घोड़ियों को चराने के लिए भेज दिया.

"यदि तुम घोड़ियों को सुरक्षित नहीं रख पाए, तो तुम्हारा सिर बारहवें खम्बे पर ताज जैसे चढ़ जाएगा," उसने कहा.

त्सारेविच इवान ने घोड़ियों को खेत में चरने के लिए चल दिया, लेकिन तुरंत घोड़ियों ने अपनी पूंछ उठाई और वे दृष्टि से ओझल हो गईं. वे नीले समुद्र में भागीं, और गर्दन तक के पानी में खड़ी रहीं.

त्सारेविच इवान एक पत्थर पर बैठ गया, वह रोया और रोया, और फिर वहीं सो गया.

धीरे-धीरे मधुमक्खी उड़ती हुई आई और बोली:

“उठो, त्सारेविच इवान, सभी घोड़ियाँ अपने स्टालों में वापस आ गई हैं. केवल एक बात ध्यान रखना, जब तुम घर वापस जाओ, तो तुम बाबा-यागा के पास मत जाना, बल्कि अस्तबल में जाकर पालने के पीछे छिप जाना. वहाँ एक बछड़ा घोड़ा, गोबर में लोट रहा होगा. तुम उसे लेकर अँधेरी रात में घर से निकल जाना.”

त्सारेविच इवान उठा, वह अस्तबल में घुस गया और पालने के पीछे छिप गया. बाहर पूरे समय बाबा-यागा अपनी ऊँची आवाज़ में चिल्ला रही थी और अपनी घोड़ियों को डांट रही थी.

"तुम वापस क्यों आईं?" उसने घोड़ियों से मांग की.

"इसके सिवा और क्या कर सकते थे? पृथ्वी के कोने-कोने से मधुमक्खियों के झुंड उड़ते हुए आए और उन्होंने हमें तब तक डंक मारे जब तक हमारा खून नहीं निकलने लगा."

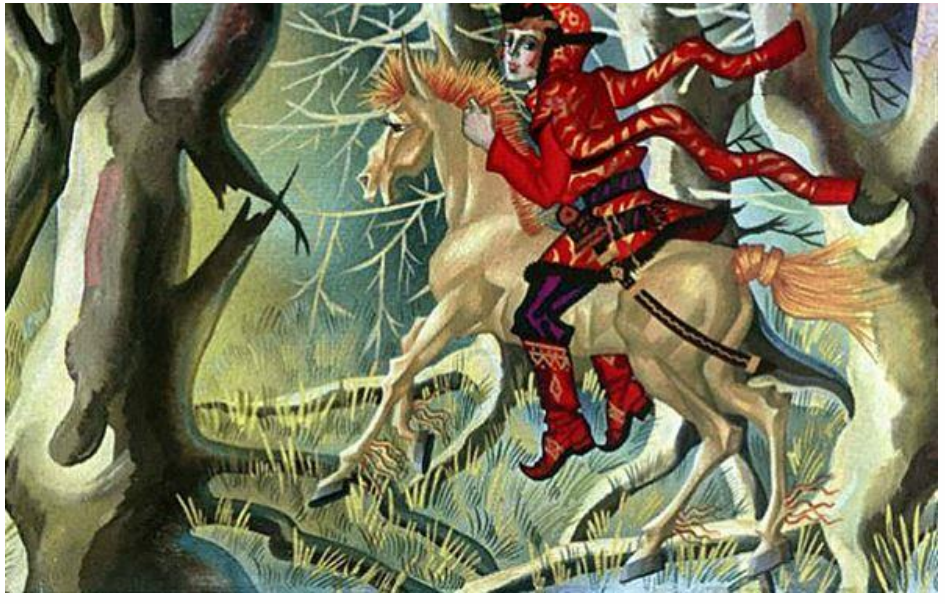

बाबा-यागा बिस्तर पर चली गई और सो गई, और आधी रात के समय त्सारेविच इवान ने अपने सबसे अच्छी घोड़ी पर काठी लादी और फिर ज्वलंत नदी की ओर चल पड़ा.

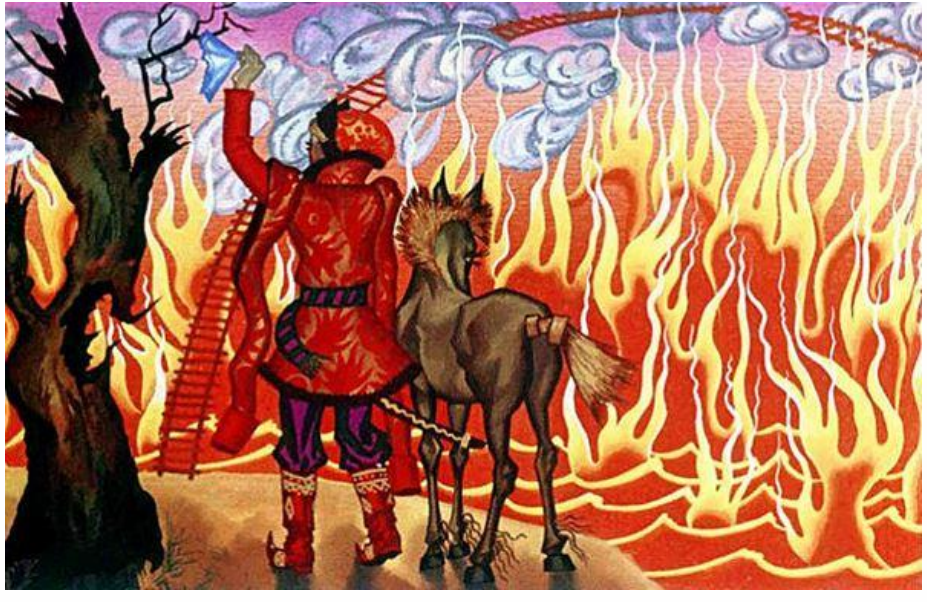

जब वह नदी पर पहुंचा तो उसने अपने दाहिनी ओर
अपना जादुई रूमाल तीन बार लहराया और, देखते ही देखते! -
उसके सामने, नदी तक फैला हुआ, एक अच्छा, ऊँचा पुल था.

त्सारेविच इवान ने नदी पार की और अपने बाईं ओर दो बार अपना रूमाल लहराया और अब अच्छे, ऊंचे पुल के बजाय वहां एक खराब, नीचा, संकीर्ण पुल दिखाई दिया.

सुबह बाबा-यागा जाग गई और यह देखकर कि उसका घोड़े का बच्चा गायब हो गया था, वह उसका पीछा करने के लिए दौड़ पड़ी. हवा की तरह वह अपनी लोहे के ओखली में चली, उसने अपने मूसल को कोड़े की तरह इस्तेमाल किया और अपनी झाड़ू से सड़क को साफ किया.

वह ज्वलंत नदी की ओर उड़ गई, उसने एक नज़र डाली और खुद से कहा:

"एक पुल. बस मैं तो यही चाहती हूं!"

और फिर वह पुल पार करने लगी. लेकिन जब वह बिल्कुल बीच में पहुंची, तो पुल नीचे से टूट गया और बाबा-यागा नदी में गिर गई! और इस तरह उसका अंत हुआ, और वह एक क्रूर अंत था.

और त्सारेविच इवान ने हरे-भरे घास के मैदानों में घोड़े के बच्चे को चराया, और वह बच्चा एक मजबूत और सुंदर घोड़े में विकसित हुआ.

फिर त्सारेविच इवान, मृत्यु-हीन कोशी के घर पर पहुंचा, और अपनी प्यारी त्सरेवना मरिया मोरेवना की ओर भागा और उसने अपनी बाहें उसके गले में डाल दीं.

"तुम मौत से कैसे बच पाए?" मारिया ने उससे पूछा.

और फिर उसे अपने साथ घटी पूरी बात बतानी पड़ी.

"और अब तुम्हें मेरे साथ चलना होगा," त्सारेविच इवान ने कहा.

"मुझे डर लग रहा है, त्सारेविच इवान! यदि कोशी हम पर हावी हो गया, तो वह तुम्हारे फिर से टुकड़े-टुकड़े कर देगा!

“इस बार वह हमें पकड़ नहीं पाएगा. क्योंकि मेरे पास एक बढ़िया, मजबूत घोड़ा है जो हवा की तरह उड़ता है.”

और फिर वे घोड़े पर चढ़कर सरपट दौड़े.

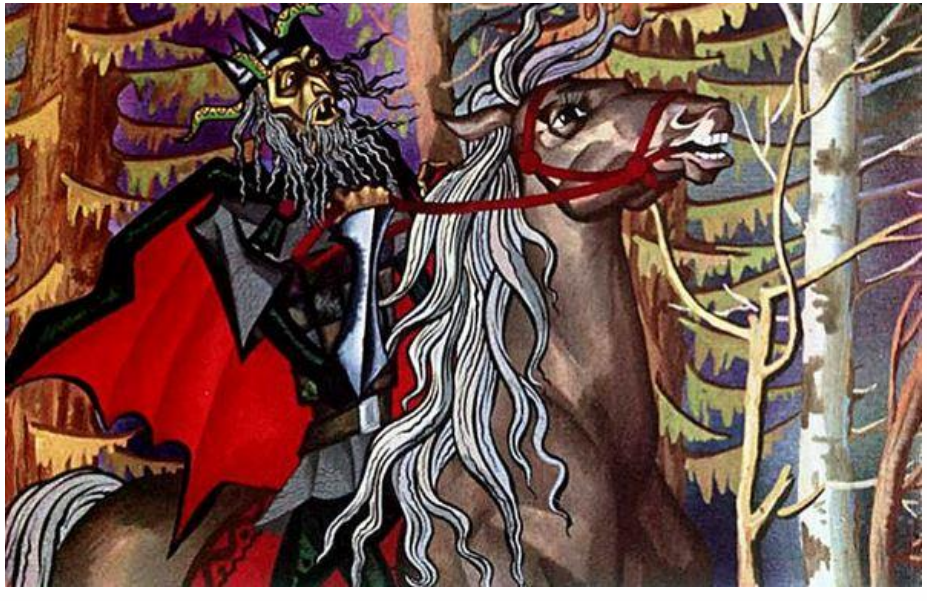

कोशी ने घर की ओर रुख किया लेकिन उसका घोड़ा लड़खड़ाने लगा.

"तुम क्यों लड़खड़ा रहे हो, हड्डियों से भरे बूढ़े थैले?" उसने घोड़े से पूछा.

"त्सरेविच इवान आया था, और वह मरिया मोरेवना को ले गया है," घोड़े ने उत्तर दिया.

"क्या हम उन्हें पकड़ सकते हैं?"

"इस बार मैं वो नहीं कर सकता, क्योंकि अब त्सारेविच इवान के पास मेरे जितना बढ़िया घोड़ा, या उससे भी अच्छा है."

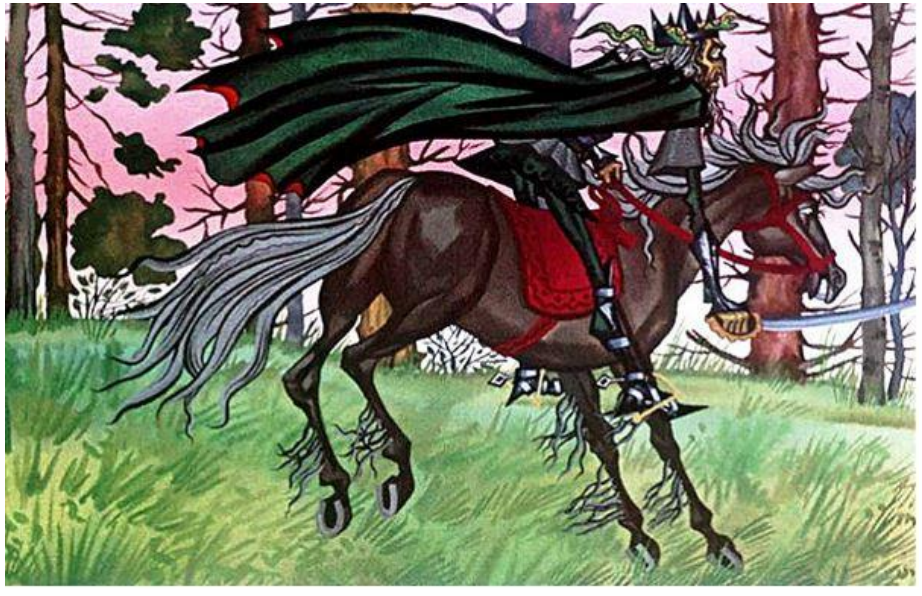

"लेकिन मैं नहीं रुकूंगा," मृत्युहीन-कोशी ने कहा.
"मैं उनके पीछे जाऊँगा!"

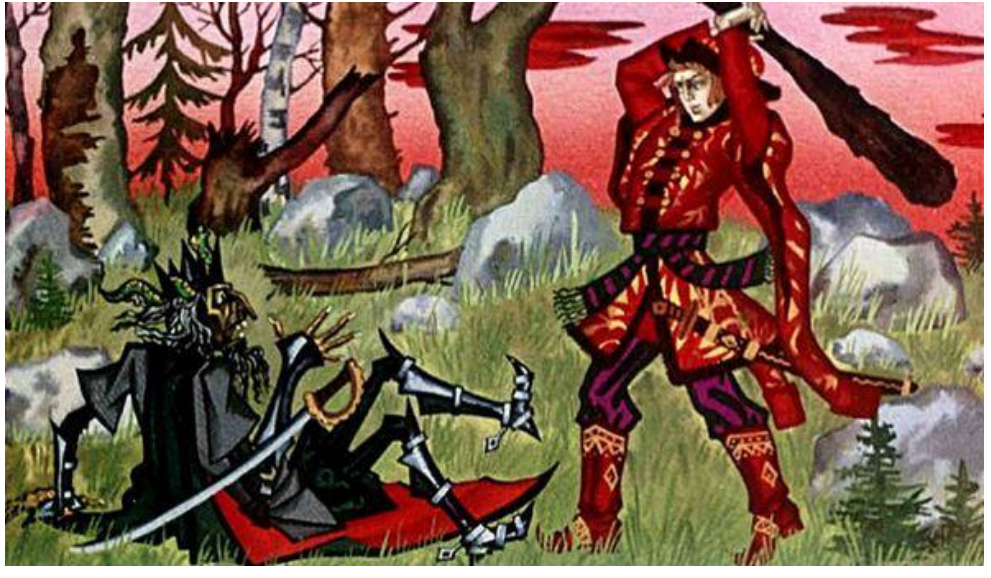

बहुत समय बीता या थोड़ा समय, कोई नहीं जानता, लेकिन उसने त्सारेविच इवान को पकड़ लिया और जमीन पर कूदकर, वो अपनी तेज तलवार से उसे छेदने ही वाला था. लेकिन इससे पहले कि वह ऐसा कर पाता, त्सारेविच इवान के घोड़े ने अपनी पूरी ताकत से अपने खुरों से उस पर हमला किया और उसका सिर तोड़ दिया, और त्सारेविच इवान ने अपने गदे से उसे ख़त्म कर दिया.

उसके बाद त्सारेविच इवान ने लकड़ी का ढेर बनया और उसकी चिता को आग लगा दी. उसने मृत्यु-हीन कोशी के शरीर को जला दिया, और उसकी राख को हवा में बिखेर दिया.

मरिया मोरेवना कोशी के घोड़े पर
सवार हुई, त्सारेविच इवान अपने घोड़े पर
सवार हुआ और वे चल दिए.

सबसे पहले, वे कौवे, फिर चील और फिर बाज़ को देखने गए. और तीनों ने उनका खुशी से स्वागत किया.

"आह, त्सारेविच इवान, हमने तुम्हें देखने की सारी आशा खो दी थी!" उन सबने कहा. “लेकिन तुम्हारी सारी परेशानियाँ व्यर्थ नहीं गईं. यदि तुम दुनिया भर में खोजते तो भी तुम्हें मरिया मोरेवना जैसी प्यारी दुल्हन नहीं मिलती!

त्सारेविच इवान और मरिया मोरेवना ने कुछ
समय के लिए दावत की और आनंद लिया, और फिर
वे अपने-अपने राजघरानों में वापस चले गए. और
वहां वे लंबे काल तक स्वस्थ और प्रसन्नचित्त रहे,
उन्हें कभी भूख या जरूरत का एहसास नहीं हुआ,
बल्कि वे भरपेट शराब और मीड पीते रहे.